Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. College, Ara

नव-फ्रायडियन: कार्ल गुस्ताव युंग (Neo-Freudians: Carl Gustav Jung)

1. **प्रस्तावना (Introduction)**

   - कार्ल गुस्ताव युंग (1875–1961) स्विट्ज़रलैंड के प्रसिद्ध मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक थे। वे प्रारंभ में सिगमंड फ्रायड के निकट सहयोगी थे, परन्तु बाद में उनके विचारों से मतभेद के कारण उन्होंने अपनी स्वतंत्र विचारधारा विकसित की, जिसे विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान (Analytical Psychology) कहा जाता है।
   - युंग को नव-फ्रायडियन इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने फ्रायड के अचेतन (Unconscious) की अवधारणा को स्वीकार किया, लेकिन उसे व्यापक और सांस्कृतिक आयाम प्रदान किया।

2. **फ्रायड और युंग के बीच मुख्य अंतर**

आधार	फ्रायड	युंग
• प्रेरक शक्ति	काम-वासना (Libido)	सामान्य जीवन-ऊर्जा
• अचेतन	व्यक्तिगत अचेतन	व्यक्तिगत + सामूहिक अचेतन
• व्यक्तित्व विकास	बाल्यकाल पर अधिक बल	जीवनभर विकास (Individuation)
• धर्म/आध्यात्म	भ्रम	मनोवैज्ञानिक सत्य

3. **युंग का व्यक्तित्व सिद्धांत (Theory of Personality)**

   युंग ने व्यक्तित्व को तीन स्तरों में विभाजित किया:

   (I) चेतन मन (Conscious Mind)

   - अहं (Ego) इसका केंद्र है।
   - यह हमारे जागरूक अनुभवों और विचारों को नियंत्रित करता है।

Edit with WPS Office

(II) व्यक्तिगत अचेतन (Personal Unconscious)

- दबाई गई या भूली हुई स्मृतियाँ।
- इसमें Complexes होते हैं।
- कॉम्प्लेक्स (Complex)
- भावनात्मक रूप से आवेशित विचारों का समूह।
- उदाहरण: हीनता कॉम्प्लेक्स, मातृ कॉम्प्लेक्स।

(III) सामूहिक अचेतन (Collective Unconscious)

- युंग का सबसे महत्वपूर्ण योगदान।
- यह मानव जाति की सार्वभौमिक विरासत है।
- इसमें आदिरूप (Archetypes) होते हैं।

4. **आदिरूप (Archetypes)**

आदिरूप जन्मजात प्रतीकात्मक रूप हैं जो स्वप्न, मिथक और धर्म में प्रकट होते हैं।

प्रमुख आदिरूप:

(I) Persona

- सामाजिक मुखौटा
- समाज के अनुरूप व्यवहार

(II) Shadow

- व्यक्तित्व का अंधकारमय पक्ष
- दबी हुई इच्छाएँ

(III) Anima / Animus

- पुरुष में स्त्री तत्व (Anima)
- स्त्री में पुरुष तत्व (Animus)

(IV) Self

Edit with WPS Office

- व्यक्तित्व की पूर्णता का प्रतीक
- चेतन और अचेतन का एकीकरण

5. **व्यक्तित्व प्रकार (Personality Types)**

   युंग ने व्यक्तित्व को दो मुख्य प्रवृत्तियों में बाँटा:

   (I) अंतर्मुखी (Introvert)

   - आंतरिक दुनिया की ओर उन्मुख

   (II) बहिर्मुखी (Extrovert)

   - बाहरी दुनिया की ओर उन्मुख

   बाद में उन्होंने चार मनोवैज्ञानिक क्रियाएँ बताईं:

   - **विचार (Thinking)**
   - **भावना (Feeling)**
   - **संवेदना (Sensation)**
   - **अंतर्ज्ञान (Intuition)**

   इनके संयोजन से 8 व्यक्तित्व प्रकार बनते हैं।

6. **Individuation (व्यक्तित्व परिपूर्णता की प्रक्रिया)**

   - यह युंग का केंद्रीय सिद्धांत है।
   - जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया
   - व्यक्ति चेतन और अचेतन को एकीकृत करता है
   - लक्ष्य: Self की प्राप्ति

Edit with WPS Office

7. **स्वप्न विश्लेषण (Dream Analysis)**

   युंग के अनुसार:

   - स्वप्न अचेतन की अभिव्यक्ति हैं।
   - वे भविष्य के विकास का संकेत देते हैं।
   - प्रतीकों की सार्वभौमिक व्याख्या संभव है।

8. **धर्म और आध्यात्म पर विचार**

   - धर्म मानव मन की गहरी आवश्यकता है।
   - धार्मिक प्रतीक सामूहिक अचेतन से उत्पन्न होते हैं।
   - युंग ने पूर्वी दर्शन (विशेषकर भारतीय दर्शन) से भी प्रेरणा ली।

9. **युंग का मनोचिकित्सा दृष्टिकोण**

   उद्देश्य:

   - व्यक्तित्व के विभाजित भागों का एकीकरण
   - अचेतन सामग्री को चेतन बनाना

   तकनीकें:

   - स्वप्न विश्लेषण
   - सक्रिय कल्पना (Active Imagination)
   - प्रतीक विश्लेषण

10. **योगदान (Contributions)**

    - सामूहिक अचेतन की अवधारणा

Edit with WPS Office

- आदिरूप सिद्धांत
- व्यक्तित्व प्रकार सिद्धांत (MBTI की नींव)
- धर्म और मनोविज्ञान का समन्वय
- जीवनपर्यंत विकास का विचार

11. आलोचनाएँ (Criticism)

- वैज्ञानिक परीक्षण की कमी
- अत्यधिक प्रतीकात्मक व्याख्या
- अनुभवजन्य प्रमाण सीमित
- दार्शनिक झुकाव अधिक

12. नव-फ्रायडियन संदर्भ में युंग:

- फ्रायड की काम-प्रधान अवधारणा को अस्वीकार किया।
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों को महत्व दिया।
- अचेतन को व्यक्तिगत से आगे बढ़ाकर सामूहिक स्तर तक विस्तृत किया।
- इस प्रकार वे नव-फ्रायडियन आंदोलन के प्रमुख प्रतिनिधि माने जाते हैं।

13. निष्कर्ष

- कार्ल गुस्ताव युंग ने मनोविज्ञान को गहराई, सांस्कृतिक व्यापकता और आध्यात्मिक आयाम प्रदान किया।
- उनका सिद्धांत मानव व्यक्तित्व को केवल जैविक या यौन प्रेरणाओं से नहीं, बल्कि सार्वभौमिक प्रतीकों और जीवनपर्यंत विकास की प्रक्रिया से जोड़ता है।
- उनका योगदान आधुनिक व्यक्तित्व मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा तथा सांस्कृतिक अध्ययन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

Edit with WPS Office